भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रमाण पत्र ज्योतिष सत्रीय कार्य

ज्योतिष

जमा करने की अन्तिम तिथि -15 जनवरी, 2013
कोर्स शीर्षक - फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

कोर्स कोड - PJ- 102
शैक्षिक सत्र - 2012-13 **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क'

1. ज्योतिष की परिभाषा देते हुए उसके स्कन्धों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
2. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए –
   यथा शिखा मयूराणां नागानां मणयो यथा।
   तद्वद्वेदांगशास्त्राणां ज्योतिषं मूर्धनि स्थितम ।।
3. ज्योतिष शास्त्र के अष्टादश प्रवर्तकों का उल्लेख कीजिए।
4. शुक्र और शनि की राशियों के गुण धर्म एवं उनके स्वरूपों का उल्लेख कीजिए।
5. चर, स्थिर एवं द्विस्वभाव राशियों का वर्णन कीजिए।
6. शुभाशुभ ग्रहों का विवेचन करते हुए उनके मित्रामित्र का वर्णन कीजिए।
7. नवग्रहों का दृष्टियों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।
8. द्वादश भाव का वर्णन कीजिए।

खण्ड 'ख'

1. लग्नेश , दशमेश एवं सप्तमेश की स्थिति का फल का विस्तार से वर्णन कीजिए ।
2. गुरू, शुक्र, मंगल एवं शनि का द्वादश भावगत स्थिति का फलादेश का वर्णन करें।
3 पंचमहापुरूष योग के निर्माण व फल की व्याख्या कीजिए।
4 अरिष्ट एवं अरिष्टभंग योगों की विवेचना कीजिए।